पंजाब केसरी
WED,22 JULY 2026
EDITION: HIMACHAL , PAGE NO. 7

स्कूल शिक्षा बोर्ड में आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल पहली प्राथमिकताः अंकुश शर्मा

■शिक्षा बोर्ड के सचिव पद का कार्यभार संभाला

धर्मशाला, 21 जुलाई (सुनील): हिमाचल प्रदेश प्रशासनिक सेवा के 2018 बैच के अधिकारी अंकुश शर्मा ने हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड धर्मशाला के नए सचिव के रूप में कार्यभार संभाल लिया है।

पदभार ग्रहण करते ही उन्होंने बोर्ड की कार्यप्रणाली में गुणवत्ता, पारदर्शिता और आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल को अपनी पहली प्राथमिकता बताया। इससे पूर्व वे डा. राजेंद्र प्रसाद राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय (टांडा) में अतिरिक्त निदेशक के पद पर सेवाएं दे रहे थे। कार्यभार संभालते ही नए सचिव एक्शन मोड में आ गए और उन्होंने बोर्ड कार्यालय की विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण कर कर्मचारियों को समयबद्ध व प्रभावी ढंग से काम करने के निर्देश दिए।

सचिव की कुर्सी संभालते ही अंकुश शर्मा ने बोर्ड की परीक्षा, मूल्यांकन, परिणाम घोषणा और सूचना प्रौद्योगिकी (आई.टी.) से जुड़ी शाखाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों व कर्मचारियों से बातचीत कर बोर्ड की दैनिक गतिविधियों की जानकारी ली और सभी से समन्वय व उत्तरदायित्व की भावना से काम करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा बोर्ड प्रदेश के लाखों छात्रों के भविष्य से जुड़ी एक बेहद संवेदनशील संस्था है, इसलिए हर कार्य निष्ठा और समय पर होना अनिवार्य है।

धर्मशाला : स्कूल शिक्षा बोर्ड के सचिव का पदभार संभालने के दौरान अंकुश शर्मा को बधाई देते बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा। (ब्यूरो)

दैनिक सवेरा टाइम्स
अंधेरे से उजाले की ओर...

अंकुश शर्मा ने संभाली स्कूल शिक्षा बोर्ड के सचिव की कमान, पारदर्शिता और तकनीक पर रहेगा जोर

सवेरा न्यूज/रविन्द्र वासन

धर्मशाला, 21 जुलाई : हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड , धर्मशाला को अपना नया सचिव मिल गया है। वर्ष 2018 बैच के तेजतर्रार हिमाचल प्रदेश प्रशासनिक सेवा अधिकारी अंकुश शर्मा ने शिक्षा बोर्ड के सचिव का अहम कार्यभार ग्रहण कर लिया है। पदभार संभालते ही उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि प्रदेश के लाखों विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षण संस्थानों को गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी और तकनीक-सक्षम सेवाएं उपलब्ध कराना ही उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। सचिव की कुर्सी संभालते ही अंकुश शर्मा एक्शन मोड में नजर आए। उन्होंने तुरंत बोर्ड की विभिन्न शाखाओं का औचक दौरा किया और वहां तैनात अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ आत्मीय संवाद किया। इस दौरान उन्होंने शिक्षा बोर्ड की जटिल कार्यप्रणाली जैसे परीक्षा संचालन, उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन, परिणाम घोषणा और सूचना प्रौद्योगिकी (IT) आधारित सेवाओं की बारीकी से जानकारी ली। नए सचिव ने कर्मचारियों से आह्वान किया कि वे समन्वय, उत्तरदायित्व और टीम भावना के साथ काम करें, ताकि बोर्ड की सेवाओं को और अधिक प्रभावी तथा समयबद्ध बनाया जा सके।

लाखों छात्रों का भविष्य संवारना है लक्ष्य : गौरतलब है कि शिक्षा बोर्ड में अपनी नई पारी शुरू करने से पूर्व श्री शर्मा डॉ. राजेंद्र प्रसाद राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय (टांडा) में अतिरिक्त निदेशक के महत्वपूर्ण पद पर कार्यरत थे। अपने नए दायित्व को लेकर उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड प्रदेश के लाखों विद्यार्थियों के भविष्य से जुड़ी एक बेहद संवेदनशील और महत्वपूर्ण संस्था है।

अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने जताया विश्वास : हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने नए सचिव का गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने अंकुश शर्मा को सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं देते हुए विश्वास जताया कि उनके व्यापक प्रशासनिक अनुभव, शानदार नेतृत्व क्षमता और कार्यकुशलता का लाभ शिक्षा बोर्ड को मिलेगा।

Anant Gyan 22-07-2026

अंकुश शर्मा के हाथों में शिक्षा बोर्ड की कमान

बोर्ड की कार्यप्रणाली को आधुनिक और अधिक पारदर्शी बनाने पर रहेगा जोर

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड धर्मशाला को अपना नया सचिव मिल गया है। वर्ष 2018 बैच के तेजतर्रार हिमाचल प्रदेश प्रशासनिक सेवा अधिकारी अंकुश शर्मा ने शिक्षा बोर्ड के सचिव का अहम कार्यभार ग्रहण कर लिया है। पदभार संभालते ही उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि प्रदेश के लाखों विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षण संस्थानों को गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी और तकनीक-सक्षम सेवाएं उपलब्ध कराना ही उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी।

सचिव की कुर्सी संभालते ही अंकुश शर्मा एक्शन मोड में नजर आए। उन्होंने तुरंत बोर्ड की विभिन्न शाखाओं का औचक दौरा किया और वहां तैनात अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ आत्मीय संवाद किया। इस दौरान उन्होंने शिक्षा बोर्ड की जटिल कार्यप्रणाली—जैसे परीक्षा संचालन, उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन, परिणाम घोषणा और सूचना प्रौद्योगिकी आधारित सेवाओं की बारीकी से जानकारी ली। नए सचिव ने कर्मचारियों से आह्वान किया कि वे समन्वय, उत्तरदायित्व और टीम भावना के साथ काम करें, ताकि बोर्ड की सेवाओं को और अधिक प्रभावी तथा समयबद्ध बनाया जा सके।

गौरतलब है कि शिक्षा बोर्ड में अपनी नई पारी शुरू करने से पूर्व श्री शर्मा डॉ. राजेंद्र प्रसाद राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय (टांडा) में अतिरिक्त निदेशक के महत्वपूर्ण पद पर कार्यरत थे। अपने नए दायित्व को लेकर उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड प्रदेश के लाखों विद्यार्थियों के भविष्य से जुड़ी एक बेहद संवेदनशील और महत्वपूर्ण संस्था है। उन्होंने सभी अधिकारियों को आपसी सहयोग और समर्पण की भावना से कार्य करने के निर्देश दिए हैं, ताकि बोर्ड की कार्यप्रणाली को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा सके।

अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने जताया विश्वास

इस अवसर पर हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने नए सचिव का गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने अंकुश शर्मा को सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं देते हुए विश्वास जताया कि उनके व्यापक प्रशासनिक अनुभव, शानदार नेतृत्व क्षमता और कार्यकुशलता का लाभ शिक्षा बोर्ड को मिलेगा। वहीं, बोर्ड के अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी नए सचिव का स्वागत करते हुए आश्वस्त किया कि वे विद्यार्थी हित एवं बोर्ड के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए पूरी निष्ठा के साथ कार्य करते रहेंगे।

Dainik Jagran 22-07-2026

अंकुश ने स्कूल शिक्षा बोर्ड में संभाला सचिव का कार्यभार

जागरण संवाददाता, धर्मशाला : 2018 बैच के हिमाचल प्रदेश प्रशासनिक सेवा अधिकारी अंकुश शर्मा ने हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के सचिव का कार्यभार संभाल लिया है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों व शिक्षण संस्थानों को गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी व तकनीक-सक्षम सेवाएं उपलब्ध करवाना प्राथमिकता होगी। अंकुश शर्मा ने बोर्ड की विभिन्न शाखाओं का दौरा कर अधिकारियों व कर्मचारियों से परीक्षा संचालन, उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन, परिणाम घोषणा व सूचना प्रौद्योगिकी आधारित सेवाओं की जानकारी ली।

उन्होंने कर्मचारियों का समन्वय, उत्तरदायित्व और टीम भावना के साथ कार्य करने का आह्वान किया। अंकुश शर्मा इससे पहले मेडिकल कालेज एवं अस्पताल टांडा में अतिरिक्त निदेशक के पद पर कार्यरत थे। उन्होंने सभी अधिकारियों को आपसी सहयोग और समर्पण की भावना से कार्य करने के निर्देश दिए ताकि बोर्ड की कार्यप्रणाली को अधिक सुदृढ़ बनाया जा सके। बोर्ड के अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने अंकुश शर्मा का स्वागत किया। उन्होंने विश्वास जताया कि अंकुश शर्मा के व्यापक प्रशासनिक अनुभव, नेतृत्व क्षमता और कार्यकुशलता का लाभ शिक्षा बोर्ड को मिलेगा। अधिकारियों व कर्मचारियों ने भी नए सचिव का स्वागत करते हुए आश्वासन दिया कि वे पूरी निष्ठा के साथ कार्य करेंगे।

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड धर्मशाला के अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा के साथ अंकुश शर्मा • जागरण

Himachal Dastak 22-07-2026

अंकुश शर्मा ने संभाली स्कूल शिक्षा बोर्ड के सचिव की कमान

कहा- पारदर्शिता व तकनीक पर रहेगा जोर

हिमाचल दस्तक ▮ धर्मशाला

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड, धर्मशाला को नया सचिव मिल गया है। वर्ष 2018 बैच के तेजतर्रार हिमाचल प्रदेश प्रशासनिक सेवा अधिकारी अंकुश शर्मा ने शिक्षा बोर्ड के सचिव का अहम कार्यभार ग्रहण कर लिया है। पदभार संभालते ही उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि प्रदेश के लाखों विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षण संस्थानों को गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी और तकनीक-सक्षम सेवाएं उपलब्ध कराना ही उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी।

उन्होंने बोर्ड की विभिन्न शाखाओं का औचक दौरा किया और वहां तैनात अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ आत्मीय संवाद किया। इस दौरान उन्होंने शिक्षा बोर्ड की जटिल कार्यप्रणाली, जैसे परीक्षा संचालन, उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन, परिणाम घोषणा और सूचना प्रौद्योगिकी आधारित सेवाओं की बारीकी से जानकारी ली। नए सचिव ने कर्मचारियों से आह्वान किया कि वे समन्वय, उत्तरदायित्व और टीम भावना के साथ काम करें, ताकि बोर्ड की सेवाओं को और अधिक प्रभावी तथा समयबद्ध बनाया जा सके। इस अवसर पर हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने नए सचिव का गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने अंकुश शर्मा को सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं देते हुए विश्वास जताया कि उनके व्यापक प्रशासनिक अनुभव, शानदार नेतृत्व क्षमता और कार्यकुशलता का लाभ शिक्षा बोर्ड को मिलेगा।

अंकुश शर्मा ने संभाली स्कूल शिक्षा बोर्ड के सचिव की कमान, पारदर्शिता और तकनीक पर रहेगा जोर

धर्मशाला, (आपका फैसला)। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड, धर्मशाला को अपना नया सचिव मिल गया है। वर्ष 2018 बैच के तेजतर्रार हिमाचल प्रदेश प्रशासनिक सेवा अधिकारी अंकुश शर्मा ने शिक्षा बोर्ड के सचिव का अहम कार्यभार ग्रहण कर लिया है। पदभार संभालते ही उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि प्रदेश के लाखों विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षण संस्थानों को गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी और तकनीक-सक्षम सेवाएं उपलब्ध कराना ही उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। सचिव की कुर्सी संभालते ही अंकुश शर्मा एक्शन मोड में नजर आए। उन्होंने तुरंत बोर्ड की विभिन्न शाखाओं का औचक दौरा किया और वहां तैनात अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ आत्मीय संवाद किया। इस दौरान उन्होंने शिक्षा बोर्ड की जटिल कार्यप्रणाली—जैसे परीक्षा संचालन, उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन, परिणाम घोषणा और सूचना प्रौद्योगिकी आधारित सेवाओं की बारीकी से जानकारी ली। नए सचिव ने कर्मचारियों से आह्वान किया कि वे समन्वय, उत्तरदायित्व और टीम भावना के साथ काम करें, ताकि बोर्ड की सेवाओं को और अधिक प्रभावी तथा समयबद्ध बनाया जा सके। गौरतलब है कि शिक्षा बोर्ड में अपनी नई पारी शुरू करने से पूर्व श्री शर्मा डॉ. राजेंद्र प्रसाद राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय (टांडा) में अतिरिक्त निदेशक के महत्वपूर्ण पद पर कार्यरत थे। अपने नए दायित्व को लेकर उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड प्रदेश के लाखों विद्यार्थियों के भविष्य से जुड़ी एक बेहद संवेदनशील और महत्वपूर्ण संस्था है। उन्होंने सभी अधिकारियों को आपसी सहयोग और समर्पण की भावना से कार्य करने के निर्देश दिए हैं, ताकि बोर्ड की कार्यप्रणाली को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा सके। इस अवसर पर हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने नए सचिव का गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने अंकुश शर्मा को सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं देते हुए विश्वास जताया कि उनके व्यापक प्रशासनिक अनुभव, शानदार नेतृत्व क्षमता और कार्यकुशलता का लाभ शिक्षा बोर्ड को मिलेगा। वहीं, बोर्ड के अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी नए सचिव का स्वागत करते हुए आश्वस्त किया कि वे विद्यार्थी हित एवं बोर्ड के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए पूरी निष्ठा के साथ कार्य करते रहेंगे।

Divya Himachal
22-07-2026

अंकुश शर्मा ने स्कूल शिक्षा बोर्ड सचिव का पद संभाला

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड धर्मशाला को अपना नया सचिव मिल गया है। वर्ष 2018 बैच के तेजतर्रार हिमाचल प्रदेश प्रशासनिक सेवा अधिकारी अंकुश शर्मा ने शिक्षा बोर्ड के सचिव का अहम कार्यभार ग्रहण कर लिया है। पदभार संभालते ही उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि प्रदेश के लाखों विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षण संस्थानों को गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी और तकनीक-सक्षम सेवाएं उपलब्ध कराना ही उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। सचिव की कुर्सी संभालते ही अंकुश शर्मा एक्शन मोड में नजर आए।

Amar Ujala
22-07-2026

पारदर्शिता के साथ तकनीक पर भी फोकस : अंकुश

स्कूल शिक्षा बोर्ड के सचिव का संभाला कार्यभार

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड धर्मशाला में मंगलवार को अंकुश शर्मा ने बतौर सचिव कार्यभार संभाला। वर्ष 2018 बैच के एचपीएएस अधिकारी अंकुश शर्मा ने पदभार संभालते ही स्पष्ट कर दिया है कि प्रदेश के लाखों विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षण संस्थानों को गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी और तकनीक-सक्षम सेवाएं उपलब्ध करवाना ही उनकी प्राथमिकता होगी।

कार्यभार संभालने के बाद उन्होंने बोर्ड की विभिन्न शाखाओं का औचक निरीक्षण भी किया और वहां तैनात अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ संवाद किया। इस दौरान उन्होंने शिक्षा बोर्ड की कार्यप्रणाली परीक्षा संचालन, उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन, परिणाम घोषणा और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) आधारित सेवाओं की बारीकी से जानकारी ली। बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने सचिव का स्वागत किया और उन्हें शुभकामनाएं दीं। बोर्ड कर्मचारी यूनियन के अध्यक्ष सुनील शर्मा भी एसोसिएशन के पदाधिकारियों के साथ सचिव से मिले। ब्यूरो

JULY 22, 2026 WEDNESDAY DHARAMSHALA

The Sunny Times

SECRETARY ANKUSH SHARMA JOINS FORCES WITH PRESIDENT DR. RAJESH SHARMA

Sunny Mahajan | Dharamshala

The Himachal Pradesh Board of School Education (HPBOSE) has officially welcomed a new powerhouse at its helm. Ankush Sharma, a 2018-batch HPAS officer known for his sharp administrative instincts, has stepped into the crucial role of board secretary—and he is not wasting a single second settling in.

Fresh off a successful stint as Additional Director at Tanda Medical College, Sharma jumped straight into action on day one. Swapping desk pleasantries for a hands-on walk-through, he made surprise visits across key board departments to inspect everything from exam logistics and paper evaluations to IT infrastructure and result declarations.

His playbook for HPBOSE is refreshingly direct: leverage modern technology, enforce total transparency, and slice through unnecessary bureaucracy. Addressing the staff, Sharma made it clear that HPBOSE isn't just an administrative body—it's the launchpad for millions of young futures across Himachal Pradesh. He called for tight teamwork, strict accountability, and faster service delivery to ensure students, parents, and schools get a seamlessly modern experience.

Board President Dr. Rajesh Sharma warmly greeted the new secretary, expressing full confidence that Sharma's dynamic track record and sharp operational drive will elevate HPBOSE to new standards. With the entire staff pledging full support, the message in Dharamshala is loud and clear: HPBOSE is gearing up for a smarter, faster, and far more transparent era.

Ankush Sharma Takes Charge as Secretary of the School Education Board

SANJAY AGGARWAL
DHARAMSHALA JUL 21 : The Himachal Pradesh Board of School Education (HPBOSE), Dharamshala, has a new Secretary. Ankush Sharma, a dynamic 2018-batch Himachal Pradesh Administrative Service (HPAS) officer, has assumed the crucial role of Secretary of the Education Board. Upon taking charge, he clearly stated that providing quality, transparent, and technology-enabled services to the state's lakhs of students, parents, and educational institutions would be his top priority.The Secretary conducted surprise inspections of various branches of the Board and engaged in cordial interactions with the officers and staff posted there. During these visits, he closely examined the Board's complex operational processes, such as the conduct of examinations, evaluation of answer sheets, declaration of results, and IT-based services. He urged the staff to work with coordination, accountability, and a spirit of teamwork to make the Board's services more effective and timely.
Goal: Shaping the Future of Lakhs of Students It is noteworthy that prior to beginning this new tenure at the Education Board, Sharma served as the Additional Director at Dr. Rajendra Prasad Government Medical College (Tanda).

डिजिटल अख़बार
पहली नजर
सबसे पहले, सबसे तेज़
21 जुलाई, 2026 www.pehalinazar.com pehalinazarhp@gmail.com
पहली नज़र
आज की ताजा ख़बर देखते रहिए
डिजिटल न्यूज़ पेपर पहली नज़र के साथ

अंकुश शर्मा ने संभाली स्कूल शिक्षा बोर्ड के सचिव की कमान, पारदर्शिता और तकनीक पर रहेगा जोर

टांडा मेडिकल कॉलेज के अतिरिक्त निदेशक रह चुके शर्मा ने कार्यभार संभालते ही किया शाखाओं का निरीक्षण

बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने दी शुभकामनाएं

पहली नजर ब्यूरो, धर्मशाला

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड, धर्मशाला को अपना नया सचिव मिल गया है। वर्ष 2018 बैच के तेजतर्रार हिमाचल प्रदेश प्रशासनिक सेवा (HPAS) अधिकारी अंकुश शर्मा ने शिक्षा बोर्ड के सचिव का अहम कार्यभार ग्रहण कर लिया है। पदभार संभालते ही उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि प्रदेश के लाखों विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षण संस्थानों को गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी और तकनीक-सक्षम सेवाएं उपलब्ध कराना ही उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी।

अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने जताया विश्वास

इस अवसर पर हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने नए सचिव का गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने अंकुश शर्मा को सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं देते हुए विश्वास जताया कि उनके व्यापक प्रशासनिक अनुभव, शानदार नेतृत्व क्षमता और कार्यकुशलता का लाभ शिक्षा बोर्ड को मिलेगा। वहीं, बोर्ड के अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी नए सचिव का स्वागत करते हुए आश्वस्त किया कि वे विद्यार्थी हित एवं बोर्ड के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए पूरी निष्ठा के साथ कार्य करते रहेंगे।

कार्यभार संभालते ही एक्शन में दिखे नए सचिव

सचिव की कुर्सी संभालते ही अंकुश शर्मा एक्शन मोड में नजर आए। उन्होंने तुरंत बोर्ड की विभिन्न शाखाओं का औचक दौरा किया और वहां तैनात अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ आत्मीय संवाद किया। इस दौरान उन्होंने शिक्षा बोर्ड की जटिल कार्यप्रणाली-जैसे परीक्षा संचालन, उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन, परिणाम घोषणा और सूचना प्रौद्योगिकी (IT) आधारित सेवाओं की बारीकी से जानकारी ली। नए सचिव ने कर्मचारियों से आह्वान किया कि वे समन्वय, उत्तरदायित्व और टीम भावना के साथ काम करें, ताकि बोर्ड की सेवाओं को और अधिक प्रभावी तथा समयबद्ध बनाया जा सके।

लाखों छात्रों का भविष्य संवारना है लक्ष्य

गौरतलब है कि शिक्षा बोर्ड में अपनी नई पारी शुरू करने से पूर्व श्री शर्मा डॉ. राजेंद्र प्रसाद राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय (टांडा) में अतिरिक्त निदेशक के महत्वपूर्ण पद पर कार्यरत थे। अपने नए दायित्व को लेकर उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड प्रदेश के लाखों विद्यार्थियों के भविष्य से जुड़ी एक बेहद संवेदनशील और महत्वपूर्ण संस्था है। उन्होंने सभी अधिकारियों को आपसी सहयोग और समर्पण की भावना से कार्य करने के निर्देश दिए हैं, ताकि बोर्ड की कार्यप्रणाली को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा सके।